भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1691
05 दिसंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

बाजरा-आधारित उत्पादों का संवर्धन

1691. श्री अरुण भारती:

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बाजरा-आधारित उत्पादों का संवर्धन करने के लिए कार्यान्वित की जा रही प्रमुख गतिविधियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस योजना से लाभान्वित होने वाले किसानों और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का ब्यौरा क्या है;

(ग) आवंटित 800 करोड़ में से उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा बाजरा-आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण और विपणन को बढ़ाने के लिए की गई नीतिगत पहल का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने उक्त योजना के कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए कोई सुधारात्मक उपाय किए हैं/करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री रवनीत सिंह)

(क) और (घ): भारत सरकार ने खाद्य उत्पादों में मिलेट के उपयोग को बढ़ावा देने और मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने के लिए, वित्त वर्ष 2022-2023 से वित्त वर्ष 2026-2027 की अवधि के लिए मिलेट आधारित उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएमबीपी) शुरू की, जिसका परिव्यय 800 करोड़ रुपये है। यह योजना निवेश की सीमा की आवश्यकता को समाप्त करती है, जिससे यह अधिक आवेदकों के लिए सुलभ हो जाती है। प्रोत्साहन के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, योजना के तहत चयनित कंपनियों को आधार वर्ष की तुलना में प्रतिवर्ष में न्यूनतम 10% की बिक्री वृद्धि हासिल करनी होगी। यह योजना उपभोक्ता पैक में ब्रांडेड रेडी-टू-ईट और रेडी-टू-कुक उत्पादों की बिक्री को प्रोत्साहित करती है, जिसमें वजन या मात्रा के हिसाब से 15% से अधिक मिलेट होता है।

(ख): मिलेट आधारित उत्पादों के लिए पीएलआई योजना में शुरू में तीस लाभार्थियों को नामांकित किया गया था। एक लाभार्थी के हटने के बाद अब 29 लाभार्थी हैं। 29 लाभार्थियों की सूची **अनुबंध** में दी गई है। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, मिलेट आधारित उत्पादों को तैयार करने में केवल घरेलू

स्रोत वाले कृषि उत्पादों (योजक, स्वाद और तेल को छोड़कर) का उपयोग किया जाना चाहिए। इस आवश्यकता ने स्थानीय उत्पादन और कृषि उत्पाद की खरीद को बढ़ावा दिया है, जिससे किसानों को लाभ हुआ है।

(ग): इस योजना की अवधि पांच वर्ष है। पहले प्रदर्शन वर्ष (वित्त वर्ष 2022-2023) के संबंध में दावे वित्त वर्ष 2023-2024 में दाखिल किए जाने थे। 19 आवेदकों ने प्रोत्साहन दावे प्रस्तुत किए और पात्र आवेदकों को अब तक ₹3.917 करोड़ वितरित किए जा चुके हैं।

(ङ): जी हां, सरकार ने मिलेट आधारित उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएमबीपी) के कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। इन उपायों में उपयोगकर्ता के अनुकूल पोर्टल की स्थापना और त्वरित समस्या समाधान के लिए समर्पित समूहों का निर्माण शामिल है। योजना दिशानिर्देशों को आसानी से समझने के लिए समय-समय पर योजना दिशानिर्देशों पर स्पष्टीकरण जारी किए गए हैं। इसके अलावा, नियमित निगरानी और मूल्यांकन तंत्र स्थापित किए गए हैं, और योजना के सुचारू कार्यान्वयन की सुविधा के लिए समर्पित टीमों के माध्यम से तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, प्रभावी संचार और प्रगति ट्रैकिंग सुनिश्चित करने के लिए आवेदकों के साथ साप्ताहिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।

*****

अनुबंध

दिनांक 05.12.2024 को उत्तर हेतु " बाजरा-आधारित उत्पादों का संवर्धन" के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1691 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

क्र. सं.	**आवेदक का नाम**
1	आर्यन नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड
2	बैग्रिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
3	बीटीडब्ल्यू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
4	चोर्डिया फ़ूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड
5	क्रिस्टी सुपर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
6	कोस्टल फूड्स
7	अर्ली फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
8	हर्ष बेकर्स
9	हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड
10	एचएसएम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
11	एचडब्ल्यू वेलनेस सॉल्यूशन्स
12	आईटीसी लिमिटेड
13	मैरिको लिमिटेड
14	एमआरएस बेक्टर्स फ़ूड स्पेशलिटीज़ लिमिटेड
15	नागशेतिया इंडस्ट्रीज
16	नेस्ले इंडिया लिमिटेड.
17	पहल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
18	रवि फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
19	रेबाला न्यूट्री फूडी प्राइवेट लिमिटेड
20	सना एंटरप्राइजेज
21	सतवम न्यूट्रीफूड्स लिमिटेड
22	स्प्राउटलाइफ़ फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
23	श्री वेलावन एग्रो
24	सुप्रीम न्यूट्री ग्रेन प्राइवेट लिमिटेड
25	एसडब्ल्यूजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
26	टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड
27	त्रेता एग्रो प्रा.लि.
28	होलसम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
29	याशील फूड्स एलएलपी

*****